स्क्यान कैके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्बी ।

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २३ अंक ३४२ वि.सं. २०८३ असार २५ गते बिफे थारु सम्वत (२६४९) [Thursday 09 July 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

थारु समुदायमे हर्दहुवाके रौनक सुरु

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २४ असार । थारु समुदायमे आजकाल्ह हरढावाके रौनक छाइल बा ।

खेतीपाती सेकलपाछे प्रत्येक गाउँमे हर्दहुवा पर्व मनैना सुरु कैगिल हो । गाउँ गाउँमे संगे मनैना कहिके निर्णय करटी सामुहिक रुपमे हर्दहुवा मनैटी कैगिल बा । मंगरके रोज गौरीगंगा नगरपालिका-११ नुक्लीपुर गाउँमे सामुहिक रुपमे हर्दहुवा मनागिल दिनेश दहित बटैलै । ओस्टेक थारु समुदायके बसोबास रहल धनगढी उपहानगरपालिका-१६ भादा, कैलारी गाउँपालिका वडा नम्बर ५ जवदहवा, पालिकामेफे हर्दहुवाँ मनागिल बा ।

थारू सामुदायके पुर्खेउली परामपरा अनुसार बर्खाह सिजनमे जोत्नी खोड्नी ओ धान लगैनाके सक्कु काम सेकलपाछे हर्दहुवा खैना चलन बा । हर्दहुवामे थारु परिकार फुलौरी, खरिया, वरीया, सुरीक शिकार, जारके झोल, महुवाके दारू यी परिकार आजके दिन सक्कु घर बनल रहठ । उल्लासपूर्वक मनैना

यी पर्वमे गाउँलेहुरु बंगुर मारके आपन इष्टमित्रहे निउटा कैके खानपिन कैटी रहर्गी करठै ।

हर्दहुवामे आपनआपन संघरिया, चेलिबेटीनहे बोलैना खैना ओ सजना गीत गैना, पुरान कथा, बत्कोही चुट्किला सुन्ना ओ सुनैना करके रमैना करल दिनेश दहित बटैलै । हर्दहुवा (हरढावा)के किवदन्ती थारु समुदायके अगुवाहुरु के असिक कठै । बर्खाह खेतीपाती जोखिमपूर्ण रहठ । हिलाकिचामे बैठौनी सुरु हुइठ । यी समयमे किराकाँटी बाहेर निकरल रठै । सालभर आपन डोन्दरमे रना साप बयाल पिए बाहेर निकरल रठै ।

मच्छरनके विगविगी रहठ । मने किसान आपन खेतीपाती सेककमारे केरो परवाहा नैकरके रातविरात खेतुवामे पानी डर्ना, जोटना, वियार लगैना करठै । हिलाकिँचासे मनैनके शरिर कम्जोर हुइल रहठ । हातगोर सरल रहठ । पहिले पहिले मोवाइलके जमाना नैरहे । खेतीपातीपाछे चेलिबेटिनके हालखवर लेनडेन कैना हर्दहुवा एक ठो माध्य बनल रहे । खासमे हर्दहुवा(हरढावा)के अर्थ खेतीपातीमे प्रयोग हुइना हरजुवा, औजारहे ढोइना, खेतीपाती कैके शरिर कम्जोर हुइल रहठ । मिठमिठ खानपिन खाके उहीहे पुर्ति कैना ओ नातागोतनसे भेटघाट कैना हो ।

किसानहे अनुदानमे आधुनिक कृषि उपकरण

पहुरा समाचारदाता

कञ्चनपुर, २४ असार । कृषिहे प्रविधिमैत्री बनैना उद्देश्यके साथ कञ्चनपुरके बेलौरी नगरपालिकासे ५० प्रतिशत अनुदानमे किसानहे मंगरके आधुनिक कृषि उपकरण वितरण करले बा ।

चालु आर्थिक बरसके स्वीकृत कार्यक्रमअन्तर्गत नगरपालिकाके कृषि विकास शाखासे कृषक, कृषक समूह तथा कृषि फार्महे १८२ थान यन्त्र तथा उपकरण हस्तान्तरण करल हो । कार्यक्रमके लाग नगरपालिका ओ लाभग्राही किसान समान रु ४२ लाख बराबरके लगानी करले बटै ।

नगरपालिकाके कृषि विकास शाखाके प्राविधिक सहायक हरिश सेठीके अनुसार वितरण करल सामग्रीमे ९२ थान सिँचाइके विद्युतीय मोटर, १७ थान पम्पसेट, १० थान मिनी टिलर, पाँच थान रोटाभेटर, १० थान कल्टिभेटर ओ १० थान २२ हर्ष पावरके पावर टिलर वितरण करल बा ।

ओस्टके, पाँच थान चारचक्के पावर टिलर, दुई थान सुगरकेन मल्चर, दुई थान राजाहल, दुई थान रिपर, दुई थान कम्बाइन मिल, दुई थान लेजर ल्यान्ड लेभलर, एक थान रिजर, पाँच थान पावर स्प्रेयर तथा ट्रेन्चरलगायत सामग्री किसानहे वितरण करल बा ।

उपकरण वितरण कार्यक्रममे नगर प्रमुख पोतिलाल चौधरी कृषि क्षेत्रहे आधुनिक ओ व्यावसायिक बनैना लक्ष्यसहित *(बाँकी ३ पेजमे)*

मधुमेह (डायबिटिज) रोगबाट बचौं

शरीरमा चिनीको मात्रा बढी हुँदा मधुमेह हुन सक्छ,
मधुमेहले,
- विभिन्न अंगमा क्षति पुऱ्याउन सक्छ,
- मुटु र मिर्गौलामा क्षति पुऱ्याउन सक्छ,
- अन्धोपन, पक्षघातलगायतका जोखिम बढाउन सक्छ ।

मधुमेहबाट बच्न,
- शरीरको तौल सन्तुलित राखौं,
- चिल्लो तथा चिनीजन्य पदार्थको सेवन कम गरौं,
- जङ्कफूड तथा तारेका, भुटेका र प्रशोधित खानाहरु नखाऔं,
- धुम्रपान, मद्यपान नगरौं, नियमित व्यायाम गरौं,
- रेशायुक्त तथा प्राकृतिक खानेकुरा खाऔं,

नियमित स्वास्थ्य परीक्षण गरौं, मधुमेहबाट बचौं।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

खेल क्षेत्रमे लगानी बह्दैना बालबालिकाके माग

पहुरा समाचारदाता

घोडाघोडी, २४ असार । कैलालीके बालबालिका बालबालिकाके लाग खेलमैदान, बाल उद्यान निर्माण जैसिन संरचना निर्माणमे लगानी कैना माग करले बटै ।

विद्यालय समयबाहेकके समय बिटैना ठाउँके अभावसे बालबालिका गलत कार्यमे लागे लागल ओरसे बालबालिका खेल्ना ओ सिकाइ हुइना खालके संचरना निर्माणमे स्थानीय सरकारसे ध्यान डेहे पर्ना बालबालिका माग करल हुइट । कैलालीके घोडाघोडी वडा नं २ के बालिका आयुषा सञ्याल बालबालिकाहे लागुपदार्थ, बालविवाह ओ सामाजिक सञ्जालके गलत प्रयोगसे बचाइक लाग हरेक वडामे व्यवस्थित खेलमैदान बनाइ पर्ना ओ छोट बालबालिका खेल्ना बालउद्यान आवश्यक रहल बटैली ।

"प्रविधिके गलत प्रयोगमे बालबालिका फस्टी रहल बटै", उहाँ कहली, "बालबालिका ओ देशके भविष्यके लाग विद्यालय समयपाछे बालबालिका व्यस्त रख्ना खालके संरचना ओ योजना बनैना आवश्यक बा ।"

घोडाघोडी नगरस्तरीय बाल क्लबके अध्यक्ष तथा तेक्वान्दो खेलाडी हेमा न्यौपाने खेलाडी बालबालिकाहे अध्ययनमे समेत विशेष प्रोत्साहन आवश्यक रहल बटैली । हेमा तेक्वान्दोके जिल्लास्तरीय खेलाडी हुइटी । उहाँ गैल बरस तेक्वान्दोमे कैलाली जिल्लामे द्वितीय स्थान हासिल करल रही ।

"एकाओर पर्याप्त खेल वातावरण नैहो, ओम्हे खेल क्षेत्रमे मजा करटी रहल बालबालिकाहे छात्रवृत्ति, विशेष अध्ययनके वातावरण मिला डेहे परल", उहाँ कहली, "जेहेन्दार कहलक पहाइ किल नैहो, खेलमे, गीतसङ्गीतमे वा अन्य विधामे फेन हुइ सेकठ् ।"

हेमा छात्रवृत्तिके लाग विद्यालयमे आवेदन डेलेसे फेन नैपाइल गुनासो करली । "खेल क्षेत्रमे सफलता मिलल्मे आत्मविश्वास बह्ना रहठ् । नेतृत्व ओ बोल्ना कलाके फेन विकास हुइठ्", उहाँ कहली, "विद्यालयमे अतिरिक्त क्रियाकलाप बह्दैना, लागुऔषधबारे विद्यार्थी सचेत करैना कार्य फेन नियमित हुइ परल ।"

घोडाघोडी-३ जुडपानीके अमित चौधरी पालिकासे बालबालिका ओ अभिभावकहे सचेत बनाइक लाग हरेक समुदायमे रुपान्तरण कक्षा सञ्चालन करे पर्ना माग रख्लै । "मै हरेक अँठ्वार शनिच्चरके दिन बाल कल्याण सासे सञ्चालन करल रुपान्तरण कक्षामे सहभागी हुइलपाछे ढेर आनीबानीमे सुधार हुइल", उहाँ कहलै, "रुपान्तरण कक्षामे सहभागी हुइलमे हमारमे ढेर सुधार आइल बा । व्यवहार परिवर्तनसे सिकाइमे रुचि बह्ल, गलत डगरासे बच्ना सहयोग हुइल बा । बालबालिका बचाइक लाग इ मेरके कार्य पालिकासे करे परल ।"

बालबालिकनमे सही ओ गलत छुट्याइना ज्ञान नैरहल ओरसे समाजमे बालविवाह ढेर बह्ल गुनासो करठै । बालबालिका प्रेममे परके कम उमेरमे करजैना भोजसे समस्या निम्त्याइल बालबालिकाके कहाइ रहल बा । घोडाघोडी-५ के शर्मिला रोक्का सरकारके लक्ष्यअनुसार बालमैत्री स्थानीय शासन पालिका घोषणाके लाग बालबालिकामे लगानी बह्दैना माग करलै । "प्रतिफल तत्काल नैडेखजाइ मने बालबालिकाके भविष्यबारे सोचके काम करलपाछे समाज सुन्दर हुइना

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : राम दहित (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
पहुना सम्पादक : कृष्णराज सर्वहारी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

रास्वपाके वैचारिक धरातल

चितवनमे सम्पन्न रास्वपाके ऐतिहासिक पहिल महाधिवेशनसे दलके वैचारिक पहिचानहे नयाँ दिशा डेना प्रयत्न करल । ठिक यिहे मोडमे प्रधानमन्त्री वालेन्द्र शाह नेतृत्वके सरकारके सय दिनके महत्वपूर्ण कार्यकाल फेन पूरा हुइल बा । दलके महाधिवेशन ओ सरकारके सयदिने यात्राहे जोरना साझा सूत्र कलेक रास्वपाके टमान समयमे सार्वजनिक करल 'सयबुँदे' प्रतिबद्धता हो ।

ओम्ने निर्वाचनके बेलाके वाचापत्र, सरकार गठनलगत्तेके प्रारम्भिक निर्णय ओ सरकारके नीति तथा कार्यक्रममे समालि बुँदा परठ । यी सब दस्ताबेज सार्वजनिक हुइल बा । ओम्ने महाधिवेशनसे पारित वैचारिक दर्शन फेन थपलपाछे एक गम्भीर प्रश्न खडा हुइल बा । का महाधिवेशनसे पारित वैचारिक दर्शन ओ कार्यकारी शासनके यथार्थबिचके तालमेल आब सहज मिल्न परिस्थिति बनल हो टे ?

निर्वाचनमे बाँटल वाचापत्र दलके नैतिक प्रतिज्ञा किल हो । सरकार बनलपाछे करल प्रारम्भिक निर्णय कर्मचारीतन्त्रहे निर्देशित करना तात्कालिक औजार हो कलेसे नीति तथा कार्यक्रमसे सरकारके संवैधानिक तथा वैधानिक कार्यदिशा ओ प्राथमिकता निर्धारण करठ ।

आरेओर महाधिवेशनसे पारित दस्ताबेजसे पार्टीके दीर्घकालीन वैचारिक धरातल कैसिन हो कना विषयके निर्धारण करठ । अइसिके केरलेसे रास्वपासँग अहिले प्रतिबद्धताके दस्ताबेजके प्रशस्तता टे बा मने यी सबके केन्द्रमे आब उ प्रतिबद्धता कार्यान्वयन करना परीक्षा सुरु हुइल बा ।

महाधिवेशनमे पारित दस्ताबेजके आधारमे हेरलेसे दल अपन स्थापनाकालके 'संवैधानिक समाजवाद' हे व्यावहारिक रूपमे परिमार्जन करटि 'सामाजिक लोकतन्त्र' ओ 'सामाजिक बजार अर्थव्यवस्था' ओर मोरना प्रयास करल डेखाइठ । यी नयाँ आर्थिक मोडेलसे निजी क्षेत्रहे मुलुकके आर्थिक वृद्धिके मुख्य इन्जिन स्वीकार करठ ।

नेपालके सन्दर्भमे यकर व्यावहारिक अर्थ श्रम बजारमे सुधार, विदेशी लगानी भित्रैना नीतिमे सहजता ओ छोट तथा मझौला उद्यमहे प्रोत्साहन करना ठोस रणनीतिमे निर्भर रहल बा । संविधानके 'समाजवादउन्मुख' मर्मसँग बजारवादी मोडेल कैसिक किल्ना ? प्रदेशके भविष्यबारे धारणा का हो ? वैचारिक स्पष्टता कत्रा बा ? यी प्रश्न बहसमे बा ।

नेपालके पुरान दल फेन विगतमे अपन विचारधाराके लेबल कै चो फेरल इतिहास बा । उ लेबल ओ भुइँके व्यवहारबिचके दुरी एकडम भारी चुनौती बन्ना करल बा । रास्वपाके यी नयाँ वैचारिक ढाँचा व्यवहारमे कत्रा उत्रि कना मुख्य परीक्षा आघे बा ।

महाधिवेशनके हलभित्तर डेखाइल कुछ संगठनात्मक यथार्थसे दलके आन्तरिक चित्र बाहेर आइल रहे । तीन दिनके लाग तय करल कार्यक्रम सात दिनसम बह्रल, चर्को घाम ओ प्रचण्ड गर्मीके बिच हजारौँ प्रतिनिधि घन्टौँ पर्खेपरना अवस्था उत्पन्न हुइल ।

केन्द्रीय समिति चयनके प्रक्रियासम पुगटसम प्रतिनिधिके उपस्थिति आधासे कममे पुगल ओ पार्टीके एक महत्वपूर्ण प्रतिवेदनउप्पर कौनो छलफल नैकैके सिधा पारित कैके नीतिगत बहसके सीमितते संकेत करल । टमान प्रतिनिधिसे नीतिगत दस्ताबेजमे पर्याप्त छलफल करे नैपाइल गुनासो पोखल रहे । महाधिवेशनके उद्घाटनलगत्ते प्रधानमन्त्री मतदान प्रक्रियामे सहभागी नैहोके काठमाडौँ लौटके पार्टी संगठन ओ सरकार सञ्चालनबिच आन्तरिक समन्वयके अभाव हो कि कना संशय उत्पन्न करठ । अइसिन घटनाक्रमसे परम्परागत दलसे फरक ओ नवीन राजनीतिक संस्कृति निर्माण करना अपेक्षा ढरना रास्वपाके लाग चुनौती थपल बा ।

पार्टी संगठनभित्तरके यी कमजोरी केवल आन्तरिक विषय किल नाइ हो । ओकर छाया सरकार सञ्चालनमे फेन परल डेखाइठ । यिहे सांगठनिक पृष्ठभूमिके माझ सरकारसे अपन सय दिनके कार्यकाल पूरा करलमे कार्यान्वयनके तहमे कुछ ठोस परिणाम ओ कडा चुनौती एकसाथ सतहमे आइल बा ।

वालेन्द्र शाह सरकार सम्हालरल दिन सार्वजनिक करल 'शासकीय सुधारके सय कार्यसूची' अनुसार मन्त्रालयके संख्या २५ ठो घटाके १८ मे सीमित करना योजना नान्गिल । उ अन्तर्गत हाल १५ सदस्यीय मन्त्रीपरिषद् गठन हुइल बा । यी सोझे एक सकारात्मक प्रशासनिक कदम हो ।

बसौँसे उपभोक्तासे पाइ नैसेकल २६ लाखसे ढेर स्मार्ट लाइसेन्स तीन महिनाभित्रे छापके वितरणके प्रक्रियामे लैजैना ओ एसइई तथा कक्षा १२ के परीक्षाफल एक महिनाभित्रे प्रकाशन कैके देखाके सरकारके प्रशासनिक सक्रियता पुष्टि करठ ।

हुलाक सेवामार्फत पाँच हजारसे ढेर राहदानी नागरिकके घरदैलोमे पुगैना ओ राष्ट्रिय परिचयपत्र अप्नही अनलाइनसे डाउनलोड करे मिल्न डिजिटल प्रविधिके सुरुवातसे असल कानुनी राज्यके संकेत करल हो । यी उपलब्धिसे सरकार प्रशासनिक प्रक्रियामे गति डेना इच्छुक रहल देखाइठ । ओकर वास्तविक सफलता संस्थागत स्थायित्व ओ सेवाके गुणस्तरसे निर्धारण करल बा ।

शासनके यी सयदिने अवधिभित्रे विरोधाभासके पहाड फेन ओत्रे रहल बा । विकल्प ओ पूर्वतयारीबिना अनौपचारिक बस्तीके भौतिक संरचनाउप्पर डोजर चलाके गम्भीर मानवीय ओ कानुनी प्रश्न उठल बा ।

हलि नतिजा निकरना होडबाजीमे कक्षा १२ के उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन प्रक्रियामे डेखाइल प्राविधिक लापर्बाहीका कारण विद्यार्थी आन्दोलन माइतीघरके सडकमे उत्रल ।

यकर साथे ठोस कानुनी प्रमाण ओ आधारबिना उद्यमी-व्यवसायीहे त्रसित बनाइल कटि निजी क्षेत्रसे आइल गम्भीर गुनासासे सरकारके कार्यशैली ओ कानुनी राज्यके स्थापित मर्यादाबिच भारी दुरी रहल उजागर करल बा ।

अभिन कार्यान्वयनके वास्तविक परीक्षा टे नेपालके विद्यमान वित्तीय तथा प्रशासनिक यथार्थके चक्रव्यूहमे आके लरठ । सरकारी तथ्यांक अनुसार चालु आर्थिक वर्षमे राजस्व संकलन करिब नौ खर्ब २७ अर्ब रुपियाँ किल होके देशके वार्षिक बजेट घाटा दुई सय अर्ब नाघसकेल बा ।

सार्वजनिक ऋण कुल गार्हस्थ उत्पादनके ४३-४७ प्रतिशत पुगके पुँजीगत बजेटके खर्च पहिल छ महिनामे १२ प्रतिशतमे सीमित रहिके वित्तीय व्यवस्थापनके गम्भीर चुनौती उजागर करठ । यी कठोर आर्थिक आँकडासे स्पष्ट पारठ- नयाँ तथा वितरणमुखी कार्यक्रमके लाग राज्यसँग वित्तीय स्रोत अत्यन्ते सीमित बा ।

बैंकमे खर्बौं रुपियाँ लगानीयोग्य रकम थुप्रलेसे फेन बजारमे कर्जाके माग नैहोके, दैनिक हजारौँ युवा रोजगारीके खोजीमे बिदेसिन ओ आन्तरिक बजार

> आरेओर महाधिवेशनसे पारित दस्ताबेजसे पार्टीके दीर्घकालीन वैचारिक धरातल कैसिन हो कना विषयके निर्धारण करठ । अइसिके केरलेसे रास्वपासँग अहिले प्रतिबद्धताके दस्ताबेजके प्रशस्तता टे बा मने यी सबके केन्द्रमे आब उ प्रतिबद्धता कार्यान्वयन करना परीक्षा सुरु हुइल बा । महाधिवेशनमे पारित दस्ताबेजके आधारमे हेरलेसे दल अपन स्थापनाकालके 'संवैधानिक समाजवाद' हे व्यावहारिक रूपमे परिमार्जन करटि 'सामाजिक लोकतन्त्र' ओ 'सामाजिक बजार अर्थव्यवस्था' ओर मोरना प्रयास करल डेखाइठ । यी नयाँ आर्थिक मोडेलसे निजी क्षेत्रहे मुलुकके आर्थिक वृद्धिके मुख्य इन्जिन स्वीकार करठ ।

विचार
डा. चूडाप्रसाद ढकाल

शिथिल रहिके 'बजार-सम्मिश्रित अर्थनीति' के दार्शनिक आदर्श ओ भुइँके आर्थिक मन्दीबिचके भारी खाडलहे प्रस्ट पारठ । यी सन्दर्भमे सम्भावित डगर कलेक यी सयबुँदे प्रतिबद्धताहे तुरुन्त परिणाम डेना हलि सफलता, मध्यमकालीन कानुनी तथा प्रशासनिक सुधार ओ दीर्घकालीन संरचनागत परिवर्तन कैके तीन तहमे वर्गीकरण करना हो ।

सार्वजनिक खरिद ऐन ओ संघीय निजामती सेवा ऐन जैसिन आधारभूत कानुनी जटिलताहे नैसच्यइना सुशासनके बाट करना बालुमे पानी डारल हस रहठ । यी ऐन दसकौँसे राजनीतिक ओ प्रशासनिक दाउपेचमे बन्धक बनल बा । रास्वपाके महाधिवेशनसे मोबाइल अनुप्रयोग ओ तत्काल डिजिटल मतदानके आधुनिक शैली प्रदर्शन करल ।

कार्यकारी संयन्त्र अभिन फेन ७० वर्ष पुरान कागजी प्रक्रिया ओ नीतिगत ढिलासुस्तीके बलगर गढ हो । देशके दुर्गम क्षेत्रमे इन्टरनेट ओ भरपरना बिजुलीके पहुँच नैगैना केवल डिजिटल नेपालके नारा किल आके ओकर डिजिटल असमानता और गहिर हुइना जोखिम रहठ । ओस्टेक भौतिक ओ डिजिटल माध्यमहे सँगे लैजैना मिश्रित मोडेल आजके आवश्यकता हो ।

सयबुँदे वाचापत्र, नीति तथा कार्यक्रम ओ महाधिवेशनके दस्ताबेजके यी त्रिवेणीसे आमजनतामे आशाके सञ्चार करल बा । सरकारके कुछ प्रारम्भिक कदम सकारात्मक चर्चामे रलेसे फेन यकर कार्यान्वयनके गति, प्राथमिकताके छनोट ओ प्रभावकारिताके बारेमे गम्भीर आलोचना ओ समीक्षा फेन सुरु हुइल बा । नेपालके अन्य राजनीतिक दलसे फेन विगतमे अस्टे व्यापक घोषणा कैके अब्बे कार्यान्वयनके तहमे भारी चुनौती सामना करल बा ।

महाधिवेशनके हलसे कार्यकारी शासनसमके यी यात्रा वास्तवमे दर्शन ओ यथार्थबिचके दुरी नाप्न कसी हो । यीइ दुरी केवल आकर्षक घोषणा वा दस्ताबेजसे नाइकि निरन्तरके इमानदार कार्यान्वयन, वैचारिक स्पष्टता ओ संस्थागत सुधारसे किल पुरे सेकठ ।

नेपालके वास्तविक चुनौती नयाँ घोषणा थप्नमे नाइकि कम मने आधारभूत सुधारहे संस्थागत उपलब्धिमे रूपान्तरण करनामे बा । अन्ततः इतिहाससे वाक्पटुता वा घोषणाके आकार नाइकि नागरिकके दैनिकीमे आइल मापनयोग्य परिवर्तनके हिसाब मागठ ।

साभार : गोरखापत्र दैनिकसे

बिमा कार्यक्रम बन्दपाछे सेवाग्राहीहे समस्या

पहुरा समाचारदाता

भजनी, २४ असार । भजनी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रमे स्वास्थ्य बिमा योजना बन्द हुइलाछे सेवाग्राहीहे उपचारमे समस्या परल बा ।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रसे बिमा करल बापत पाइ पर्ना रकम नैपाइलपाछे उपचारमे समस्या हुइल हो । जेठ २९ गतेसे केन्द्रसे फार्मेसी ओ प्रयोगशाला सेवामे बिमा कटौती करल केन्द्रके अधिकारी अमरसिंह चौधरी जानकारी डेलै । चौधरी कहलै, "सरकारसे बिमावापत प्राप्त हुइना रकम कटौती करलपाछे अस्पतालके स्रोतसे व्ययभार थेगे नैसेकके सेवाग्राहीसे पैटी आइल फार्मेसी ओ प्रयोगशाला सेवाके बिमा कार्यक्रम रोकल हुइटी ।"

चालु आर्थिक बरसमे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रमे चार हजार ३७६ जाने स्वास्थ्य बिमामार्फत सेवा लेले बटै । बिमा सेवा कटौती होके ६५ जाने किल स्वास्थ्य केन्द्रमे सेवा लेहे आइल बटै । "स्थानीय सरकारसँग स्वास्थ्य केन्द्रहे बजेटके लाग आग्रह करेबर सुनुवाइ नैहुइठ्", केन्द्रके अध्यक्ष धर्मेन्द्र श्रेष्ठ कहलै ।

खेल क्षेत्रमे...

(बालबालिका शाखा प्रमुख इन्दु जोशी पालिकासे इ बरस बालकोष स्थापना कैना, बाल सञ्जाल, किशोरी सञ्जाल गठन कैके क्षमता विकासमे काम कैना योजना बनाइल बटैली ।

घोडाघोडी नगरपालिकाका शिक्षा अधिकृत खगेन्द्र सिंह घोडाघोडीमे शैक्षिक सुधारके लाग अतिरिक्त क्रियाकलापमे जोड डेहल बटैलै । "३२ महिला शिक्षक, ३४ पुरुष शिक्षकहे स्काउट तालिम डेके विद्यालयमे खटैले बटी, नेपालमे छात्रछात्राहे स्काउट सिकैना पहिल पालिका घोडाघोडी हो", उहाँ कहलै, "स्काउट गतिविधिमार्फत बालबालिकाहे असल व्यवहार सिकैना करल बा । बालबालिकाहे मनोसेवामे फेन जोड डेले बटी ।"

अधिकृत सिंहके अनुसार शैक्षिक सुधारके लाग विद्यालय सुविधायुक्त बनैना, हरेक विद्यालयमे खेलमैदान, खेलसामग्री, शौचालय, स्यानिटरी प्याड, आरामकक्षजैसिन सुविधा विस्तार कैटी गैल उहाँके कहाइ रहल बा । नगर उपप्रमुख गुलियाकुमारी चौधरी किशोरकिशारीहे गलत सङ्गतसे बचाइक लाग शिक्षा, महिला बालबालिका, स्वास्थ्य शाखामार्फत नियमित रूपमे काम हुइटी रहल बटैली ।

नगरप्रमुख खडक रावत घोडाघोडीमे शैक्षिक, खेलकुद, साङ्गीतिक, साहित्यिक क्षेत्रमे बालबालिका आघे बह्रैना प्रयास करल बटैलै ।

"घोडाघोडी अब्बल पालिकाके रूपमे विकास हुइटी बा, कैलालीमे १३ पालिकामे एसइईमे घोडाघोडीके उत्कृष्ट नतिजा आइल बा", उहाँ कहलै, "सामुदायिक विद्यालयके नतिजामे फेन घोडाघोडी जिल्लाभर उत्कृष्ट बा । हम्रे खेललगायत अन्य क्षेत्रमे फेन सुधारके प्रयास करटी रहल बटी ।"

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ३ चटकपुर स्थित कित्ता नं. ९८२ क्षेत्रफल १८६.२७ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री साधना कुमारी महराले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्व: सडक | पश्चिम: विर बहादुर बोहरा
उत्तर: निर्मला थापा | दक्षिण: सडक

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी ७ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ५ शिवनगर स्थित कित्ता नं. ५०८ क्षेत्रफल १६९.३१ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री संगिता खड्काले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले ७ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्व: सडक | पश्चिम: शुचिन शर्मा भण्डारी
उत्तर: ज्ञानु देवी जोशी | दक्षिण: लक्ष्मीकुमारी चौधरी

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ८ बुद्धचोक स्थित कित्ता नं. ९९४ क्षेत्रफल १६९.३२ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री उद्धव देव जोशीले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्व: रामप्रसाद शर्मा | पश्चिम: प्रेमबहादुर भण्डारी
उत्तर: सडक | दक्षिण: सिद्धराज थापा

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ८ मोतिचोक स्थित कित्ता नं. २२५० क्षेत्रफल १६९.३१ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री प्रेमलाल चौधरीले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्व: सुरेश खड्का | पश्चिम: सडक
उत्तर: राजेश राना | दक्षिण: सडक

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

तीन वर्षसे बजेट छुट्टयाइलमेफे सुदूरपश्चिममे दूध कारखाना निर्माण योजना अलपत्र

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २४ असार । सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे हरेक वर्ष बजेट भाषणमे कैलालीमे ठुर दुध कारखाना स्थापना कैना कहटी बजेट विनियोजन करके आइल बा । गैल तीन वषसे लगातार बजेट विनियोजन हुइटी आइलफे कारखाना स्थापनाके काम मने हुइल नै हो ।

प्रदेश सरकारसे आगामी आर्थिक वर्ष (२०८३/०८४) के लग फे उहे योजनाहे निरन्तरता देहटी बजेट विनियोजन करल बा । इहे आघे वर्ष छुट्टयाइल बजेटसे कुछ काम हुइना नैसेकल। एकर बाबजुद प्रदेश सरकारसे आगामी वर्षके लग फे उ योजनामे बजेट विनियोजन करल बा ।

भूमि व्यवस्था, कृषि ओ सहकारी मन्त्रालय अन्तर्गतके सुदूरपश्चिम प्रदेश दुग्ध विकास बोर्डसे इ कारखाना सञ्चालन कैना जिम्मेवारी पाइल बा । बोर्ड अपन कानुनी ओ संरचनात्मक जटिलतामे फसल बा । बोर्डके निर्देशक

श्यामसिंह खड्काके अनुसार उद्योग स्थापना ओ सञ्चालनके लग आवश्यक कानुनी व्यवस्था तयार नै हो ।'कानुनी आधार ओ पूर्वतयारी नैहुइट जग्गा खोज्ना कामसहिट आघे बह्ना नैसेकल हो,' खड्का कहलै ।

गैल दुई आर्थिक वर्षसम अलपत्र परल इ योजनाके लग प्रदेश सरकारसे आगामी आर्थिक वर्ष ६ ठो टमान शीर्षकमे बजेट विनियोजन करल बा । आर्थिक मामिलामन्त्री विक्रम सिंह धामीसे असार १ गते प्रदेश सभामे प्रस्तुत करके बजेटमे इ उद्योगके लग कुल चार करोड ६० लाख रुपयाँ प्रस्ताव करल बा ।

बजेटके वार्षिक विकास कार्यक्रम पुस्तिकामे उल्लेख हुइल अनुसार ठुर दुध कारखाना स्थापना शीर्षकमे किल चार करोड २५ लाख रुपयाँ छुट्टयाइल बा । एकर अतिरिक्त, कारखानाके सम्भाव्यता अध्ययनके लग ८ लाख ५० हजार, डीपीआर निर्माणके लग १७ लाख ओ सरोकारवालासँगके छलफल ओ कार्ययोजना तयारीके लग ३ लाख ४० हजार रुपयाँ विनियोजन करल बा । ओस्टेक, पाउडर प्लान्टसम दुध ठुवानी कैना लागत साझेदारीके लग ५ लाख १० हजार ओ कारखाना सञ्चालनके लग आवश्यक कानुन निर्माण कैना १ लाख २८ हजार रुपयाँ बजेटमे करल बा। इ परियोजना नेपाल सरकारके विशेष अनुदानमे तीन वर्षभिटर सम्पन्न कैना लक्ष्यके साथे सुरु करल बटै ।

मने तीन वर्ष बितिसेकल फे प्रारम्भिक चरणके काम समेत हुइल नै हो । निर्देशक खड्काके अनुसार इहेआघे दुग्ध विकास बोर्डके कार्यालय स्थापना नैहुइल कामके गति लेना नैसेकल हो । 'अब्बे बोर्डके कार्यालय स्थापना हुइ अस्तित्वमे आइल बा ।

आगामी आर्थिक वर्षमे हाम्रे जास्टे फे पूर्वतयारीके कामहे सकैना लक्ष्यमे बटै,' उहाँ कहलै । इहेआघे आर्थिक वर्ष २०८१/०८२ मे भूमि व्यवस्था, कृषि ओ सहकारी मन्त्रालयसे संघीय सरकारके विशेष अनुदानसे १२ करोड रुपयाँ विनियोजन करल बटै । उहेबेला दुग्ध विकास संस्थान (डीडीसी) संग मिल्के कारखाना चलैना मौखिक सहमति हुइल बा । उहाँहि कार्यान्वयन कैना कुछ लिखित दस्तावेज ओ कार्यविधि नै बानन । लिखित आधार नैहुइल कारण उहे बरवर रकम खर्च हुइना नैसेकल फ्रिज हुइल रहे ।

सुदूरपश्चिममे मिल्क पाउडर प्लान्ट नैहुइल ढेर दुध उत्पादन हुइना समयमे किसानसे दुध सडकमे पोख्ना पर्ना ओ बिक्री नैहुइल मिल्क होलिडे खेप्नापर्ना बाध्यता बा । मने इ कारखाना स्थापना हुइल किसानके दुधसे उचित मूल्य पैना रहे । ओस्टेक प्रदेश दुधमे आत्मनिर्भर बन्ना डगरमे लाग्ना रहे । सरकारके फितलो तयारी ओ कर्मचारीतन्त्रके ढिलासुस्ती करके माजा सम्भावना बोकल इ योजना अलपत्र बनल बा ।

अन्तर्राष्ट्रिय

युक्रेनमे रूसी आक्रमण तिव्र मृतकके संख्या २१ पुगल

काठमाडौं, २४ असार । युक्रेनमे हुइल रूसी आक्रमणमे मृत्यु हुइनाके संख्या बह्रके २१ जाने पुगल युक्रेनी अधिकारी घोषणा करले बा ।

स्थानीय अधिकारीहसक्रे तथा उद्धार टोलीसे उच्च प्रभावित क्षेत्रके दुई क्षतिग्रस्त आवासीय भवनमे पुरल व्यक्तिहुकनके खोजी तथा उद्धार कार्य जारी रहल जनाइल बा । रूसी आक्रमणमे ब्यालेस्टिक मिसाइल, क्रुज मिसाइल लगाथत ड्रोनके प्रहार करल जनाइल बा ।

यीआघे युक्रेनी राष्ट्रपति भोलोदिमिर जेलेन्स्कीसे राजधानी किएभमे भारी रूसी आक्रमणके चेतावनी डेना हुइल रहे । यीआघे मृतकके संख्या ११ जाने पुगल रिपोर्ट करल रहे कलेसे यी संख्या अब्बे बह्रके २१ जाने पुगल पुष्टि करल बा ।

रूस ओ युक्रेन औरे पक्षके आक्रमणहे उल्ट्याइल दाबी करटि लगभग दैनिक जैसिन रिपोर्ट करल बा आदान-प्रदान करल बा । सन् २०२२ फेब्रुअरी -२४ से दुई देश बीच चलल द्वन्द्वके कारण यी दावी अभिन सम प्रमाणित भर हुइल नैहो ।

इरानसगके सम्झौता अन्त्य हुइल ट्रम्पके घोषणालगत्ते बह्रल कच्चा तेलके भाउ

काठमाडौं, २४ असार । विश्व बजारमे बुधके कच्चा तेलके भाउ बह्रल बा । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्पसे इरानसंग युद्ध अन्त्य कैना करल समझदारीपत्र (एमओयू) अब्बे समाप्त हुइल घोषणा करल लगत्तै अन्तर्राष्ट्रिय बजारमे कच्चा तेलके मूल्य ५ प्रतिशतसे ढेर बह्रल बा ।

एकरसँगे पश्चिम एशियासे हुइना तेल आपूर्तिमे अवरोध अैना सेक्ना चिन्ता फेरसे बह्रल बा । उहे दिनके कारोबारमे लन्डनस्थित आईसीई एक्सचेञ्जके कोमेक्स डिभिजनमे ब्रेन्ट क्रुडके भाउ ३ डलर ८२ सेन्टसे बह्रलके प्रतिब्यारेल ७७ डलर ९८ सेन्टमे पुगल बा । आघेक दिन कोमेक्समे कारोबार बन्द हुइबेरके तुलनामे इ ५ दशमलव १५ प्रतिशत ढेर बा । उहे, न्यूयोर्क मर्कन्टाइल एक्सचेञ्जके कोमेक्स डिभिजनमे वेस्ट टेक्सास इन्टरमिडिएट (डब्लुटीआई)के भाउ फे ३ डलर ७० सेन्टसे बह्रटी ७४ डलर १४ सेन्टमे निक्राल बा। इ आघेक दिनके तुलनामे ५ दशमलव २५ प्रतिशत ढेर बा। बुधके वृद्धिसँगे दुईठो सूचकांक जुन २३ उहाँ उच्च स्तरमे पुगल बा ।

इहिनसेआघे मंगरके फे अमेरिकासे इरानी कच्चा तेल बिक्रीके लग देहल सामान्य अनुमति (जनरल लाइसेन्स) रद्द करलपाछे तेलके मूल्य करिब ३ प्रतिशतसे बह्रल रहे। अंकारामे आयोजित नाटो शिखर सम्मेलनआघे ट्रम्पसे अमेरिका ओ इजरायलसे फेब्रुअरीमे इरानविरुद्ध सुरु करल युद्ध अन्त्य कैना करल अन्तरिम सम्झौता अब्बे समाप्त हुइल बटैले बटै । उहाँ तेहरानसँग थप वार्ता कैना अपन इच्छुक नैरहल फे स्पष्ट पारल ।

एसईबी बैंकके प्रमुख वस्तु विश्लेषक ब्यार्ने शिल्ड्रोपसे पाछे घटनाक्रमसे ६० दिने वार्ता प्रक्रियाके भविष्य अन्योलमे परल बटैलै । उहाँके अनुसार वर्तमान परिस्थितिमे प्रतिब्यारेल ८० अमेरिकी डलर नजिकके मूल्य बजारके अवस्थासँग ढेर मेल खैठ । अमेरिकी सेन्ट्रल कमान्ड (सेनटकम)के अनुसार, स्ट्रेट अफ होर्मुज हुइटी करल तीनठो व्यावसायिक जहाजउप्पर हुइल आक्रमणके जवाफस्वरूप अमेरिका इरानमे लावा हवाई आक्रमण करल बटै ।

उत्पादन, उत्पादकत्व ओ रोजगारी वृद्धिके लग सरकार क्रियाशील: उद्योगमन्त्री

पहुरा समाचारदाता

काठमाडौं, २४ असार । उद्योग, वाणिज्य ओ आपूर्तिमन्त्री गौरी कुमारी यादवसे उत्पादन, उत्पादकत्व ओ रोजगारी वृद्धिके लग सरकार क्रियाशिल रहल बटैली ।

मंगरके रोज राष्ट्रियसभा बैठकमे अपन मन्त्रालयउप्परके बिनियोजित विधेयकउप्पर उठल प्रश्नके जवाफ देहटी मन्त्री कुमारीसे अन्तर-मन्त्रालय ओ अन्तर-तह समन्वयहे प्रभावकारी बनैटी निजी क्षेत्रके मनोबल उच्च राख्ना ओ उत्पादन, उत्पादकत्व ओ रोजगारी वृद्धिके लग मन्त्रालय क्रियाशील रहल बटैली । सरकारके टमान मन्त्रालयके बीच समन्वय ओ अन्तर-सम्बन्ध कायम करके सहज उत्पादन, लगानी ओ व्यावसायिक वातावरण निर्माण करेकपर्ना उहाँके कहाइ बा । उहाँके, 'लगानी संरक्षण ओ प्रवर्द्धन रणनीति' तर्जुमे करके नेपाल सरकारो मन्त्रिपरिषदसे स्वीकृत हुइना चरणमे रहलके जानकारी देहल बा ।

इहे रणनीतिसे निजी सम्पत्तिके संरक्षण, लगानी संरक्षण ओ उद्योग प्रतिष्ठानहे 'शान्ति क्षेत्र' के रूपमे स्थापित कैना उद्देश्य राखल उहाँके कहाइ बा ।

ओस्टेक, उहाँसे विगतके आन्दोलनके क्रममे हुइल क्षतिके कारण बन्द ओ रुग्ण हुइल पुगल उद्योग व्यवसायहे पुनः सञ्चालनमे ल्याइना टमान छुट, सुविधा ओ सहुलियतके व्यवस्था ल्याइना जनैले बटै ।

नेपालसे भारततर्फ हुइना चिया निर्यातमे देखल समस्याके दीर्घकालीन समाधानके लग कार्यदल गठन भई प्रतिवेदन तयारीके काम हुइटी रहल उहाँ बटैली ।

किसानहे अनुदान...

नगरपालिकासे निरन्तर लगानी कैटी आइल बटैलै । आधुनिक उपकरणके प्रयोगसे श्रम अभाव न्यूनीकरण हुइनाके साथे उत्पादन लागत घट्ना, समयमे खेतीपाती सम्पन्न हुइना ओ किसानके आम्दानी वृद्धि हुइना उहाँके विश्वास रहल बा ।

नगर उपप्रमुख जोगराम चौधरी बेलौरीके आर्थिक समृद्धिके मुख्य आधार कृषि रहल ओरसे आधुनिक प्रविधिमे आधारित खेती प्रणाली विस्तार कैना आजके आवश्यकता रहल बटैलै। कृषि विकास शाखाके प्रमुख सुमनराज जोशी कृषि यान्त्रिकीकरण कार्यक्रमसे खेतीपाती समयमे सम्पन्न करैना, उत्पादन लागत घटैना ओ उत्पादकत्व वृद्धि कैना महत्वपूर्ण भूमिका खेल्ना बटैलै। आधुनिक कृषि उपकरणके प्रयोगसे व्यावसायिक खेती विस्तारसँगे किसानके आर्थिक अवस्था सुधारमे सकारात्मक योगदान पुग्ना उहाँके कहाइ रहल बा। बेलौरी नगरपालिकासे पाछेक बरसमे कृषि क्षेत्रहे प्राथमिकतामे रख्टी टमान अनुदान, प्रविधि हस्तान्तरण तथा यान्त्रिकीकरणके कार्यक्रम सञ्चालन कैटी आइल बा ।

डढेलो तथा लूबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।

- सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ,

डढेलोबाट जोगिन

- जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डढेलोविरुद्द समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं,
- डढेलो देखिएमा तत्काल सम्बन्धित निकायमा जानकारी गराऔं,

वन जोगाउ र वातावरण संरक्षणमा योगदान दिऔं ।

• गर्मी बढेसँगै तातो हावा (लू) सुरु भएको छ । अतिआवश्यक काम बाहेक घरबाट ननिस्कौं । निस्किने भए छाताको प्रयोग गरौं र बढी झोलिलो पदार्थ र पानीको प्रयोग गरौं ।

कैलारी गाउँपालिका

गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय

कैलाली

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी

MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी

संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

सुदूरपश्चिममे विकास बजेट खर्च सड्डा न्यून

योजना अनुसार काम करे नैसेक्ना सरकार

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २४ असार । सुदूरपश्चिम प्रदेशमे हरेक वर्ष विकासके लग अर्बौं रुपयाँ बजेट छुट्ट्याइल बा ।

आर्थिक वर्ष सेक्ना लगलमे फे बजेटके बरवर हिस्सा खर्च हुइ नैसेकी । परिणाम स्वरूप विकासके योजना अधुरा रहल बा । सडक, पुल, भवन ओ अन्य पूर्वाधार समयमे बनल नै हो । वर्षौंसे दोहोराइटी आइल इहे समस्यासे इहे वर्ष फे निरन्तरता पाइल बा । अब्बे सरकारी खाता बन्द हुइना दुई दिनकिल बाँकी बा । प्रदेश सरकारसे विकासके लग छुट्ट्याइल बजेटके बरवर हिस्सा मने अभिन खर्च हुइना नैसकेल हो ।

सुदूरपश्चिम प्रदेश लेखा नियन्त्रक कार्यालयके अनुसार चालु आर्थिक वर्षके लग सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे विकास ओर १९ अर्ब ८३ करोड ८५ लाख रुपयाँ बजेट विनियोजन करल रहे । असार २० गतेसम आपुग्के जम्मा ६ अर्ब ५४ करोड रुपयाँ अर्थात् करिब ३६ प्रतिशतमे किल खर्च हुइल बा । १३ अर्ब २९ करोड रुपयाँ खर्च हुइना बाँकी बा । असार २५ गते रातसे सरकारी खाताहे बन्द हुइना करल अब्बे बाँकी रहलके रकम खर्च कैना समय निकै कम बा । इहे कारण इ वर्ष फे बरवर रकम फ्रिज हुइना निश्चित जैसिन देखल बा ।

प्रदेश लेखा नियन्त्रक वासुदेव जोशी मने असारके दोसर सातापाछे खर्च बहल बटैले बटै । उनके अनुसार अब्बे भुक्तानीके चाप बहलसे कार्यालयसे बिदाके दिनमेफे काम करल बा । 'असार १५ पाछे खर्च बहल बा । बिदाके दिन फे काम करके खर्च बहइना प्रयास करटी बा । कुल खर्च ६० प्रतिशतसम पुगैना लक्ष्य बा,' उहाँ कहलै ।

६० प्रतिशत बजेट खर्च हुइ फे करिब ८ अर्ब रुपैयाँ विकास बजेट खर्च नैहुइना अवस्था रहल बा । इ प्रदेशके विकासमे बरवर असर पर्ना देखल बा । विकास बजेट कहे खर्च हुइ नैसकठ कहना प्रश्न हरेक वर्ष उठ्ना करल बा । कर्मचारीहुकनके अनुसार योजना कार्यान्वयन समयमे नैहुइना इहे मुख्य कारण हो । प्रदेश लेखा नियन्त्रक कार्यालयके लेखा अधिकृत वलदेव कपडीके अनुसार योजना समयमे सुरु नैहुइट विकास खर्च प्रभावित हुइना करल बा । 'योजनाहे कागज ढेर बनठ, मने कार्यान्वयनमे ढिलाइ हुइठ । समयमे काम सुरु नैहुइना अन्तिममे आके बजेट खर्च कैना समस्या रहठ,' उहाँ कहलै ।

सुदूरपश्चिम सरकारसे करल कामहे विश्लेषकके रूपमे लग्गेसे नियालिरहल पत्रकार योगेश रावलके अनुसार समस्या बजेटके अभाव नैहो, सरकारी कार्यशैली हो । उहाँके अनुसार आर्थिक वर्ष सुरु हुइल लगत्तै योजना छनोट, ठेक्का प्रक्रिया ओ निर्माणके काम आघे बहाइक पर्ना हुइ फे अधिकांश काम वैशाख ओ जेठमे किल सुरु हुइठ ।

'सरकारी प्रक्रिया ढेर ढिला हुइठ । सुरुमे काम नैकैना ओ अन्तिम असारमे किल बजेट खर्च कैना प्रवृत्ति बा । सुरुसे योजना कार्यान्वयन कैना व्यवस्था हुइल विकाससे गति लेना रहे,' उहाँ कहलै । उहाँके अनुसार विकास बजेट खर्च नैहुइट ओकर असर जनतासे प्रत्यक्ष रूपमे भोगेक पराठ ।

निर्माणके काम नैहुइट रोजगारी सिर्जना फे नैहुइ, बजारमे पैसा नैपुगठ ओ आर्थिक गतिविधिफे कमजोर रहठ । विकास बजेट खर्च नैहुइनाके औरे कारण राजनीतिक हस्तक्षेपफे हुइल आरोप लगैना करल बा । प्रतिपक्षी दलहुकनसे सरकारसे आवश्यकतासेफे पहुँचके आधारमे बजेट बटना करल आरोप लगैल बटै । राप्रपाके प्रदेश सभा सदस्य खिमा देवी विष्टके अनुसार प्रदेशमे हरेक वर्ष बजेट फ्रिज हुइना सामान्यजैसिन बनल बा । 'यो प्रदेशके विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा ओ रोजगारीके लग आइल बजेट हो, मने खर्च नै हुइ सेकठ । अब्बेके बजेट मन्त्री केन्द्रित बा । मन्त्रीके जिल्ला ओ कार्यकर्ता पुगल ठाउँमे ढेर बजेट राखल बा,' उहाँ कहली । उहाँके अनुसार बजेट खर्च नैहुइट जनतासे सेवा पैना नैसेक्जाइठ । उपचारके अभाव, बेरोजगारी ओ युवा पलायन जैसिन समस्या झन् बहटी बा ।

प्रमुख प्रतिपक्ष दल नेपाली कम्युनिस्ट पार्टीके संसदीय दलके नेता खगराज भट्टफे सरकारके कमजोरीके कारण विकास बजेट खर्च हुइना नैसकल बटैले बटै । सरकारसे समयमे निर्णय कैना नैसेकट विकासके काम प्रभावित हुइल उहाँ बटैलै ।

यहोर सरकारसे मने कुछ प्राविधिक ओ नीतिगत समस्या रहल स्वीकार करल बा । मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाहसे विकास खर्च बहाइना प्रयास भइरहल बटैलै । 'सरकारसे सेकटसम विकास खर्च बहैना प्रयास करल बा । केही नीतिगत ओ प्राविधिक कठिनाइके कारण लक्ष्यअनुसार खर्च हुइना नैसेकल हो ।

सुधारके लग काम हुइटी बा,' शाह कहलै । विकास खर्च कम हुइलमे कर्मचारी अभाव फे औरे कारण मानल बा । आवश्यक कर्मचारी नैहुइल फाइल प्रक्रिया ढिला हुइना, अनुगमन समयमे हुइना नैसेकल ओ भुक्तानीमे ढिलाइ हुइना समस्या देखल बा ।

एकर साथे निर्माण सामग्रीके मूल्य बहना ओ निर्माण व्यवसायीहुकनके आन्दोलनके कारण फे ढेर योजना प्रभावित करल बटै । कतिपय निर्माण कम्पनीसे काम रोकेबेर विकास आयोजनाहे समयमे सम्पन्न हुइ नैसेकल । पत्रकार योगेश रावलके अनुसार विकास बजेट खर्च नैहुइट ओकर असर सिधे जनताके जीवनमे पर्ना करल बा । ढेर सडक ओ पुल वर्षौसे अधुरा बटै । स्वास्थ्य संस्था, विद्यालय ओ अन्य पूर्वाधार निर्माण फे समयमे सम्पन्न हुइ नै सेकल हो ।

उहाँके अनुसार निर्माणके काम ढिला हुइटी स्थानीय स्तरमे रोजगारीके अवसर फे घटल बा । विकास बजेट बजारमे नैजाइट व्यापारी, मजदुर ओ साना व्यवसायी सक्कु प्रभावित हुइल बटै । आर्थिक गतिविधि सुस्त हुइटी समग्र प्रदेशके अर्थतन्त्रमे फे नकारात्मक असर परल देखल बा ।

सुदूरपश्चिम प्रदेशमे हरेक वर्ष आर्थिक वर्षके अन्तिम महिनामे किल विकास खर्च बह्राइटी प्रयास हुइना करल बा । इ प्रवृत्ति हरेक वर्ष दोहोराइल बा । आर्थिक वर्षके सुरुसे योजना छनोट, ठेक्का प्रक्रिया ओ निर्माण कार्य आघे बहैना व्यवस्था नैकरट सम बजेट फ्रिज हुइना समस्या दोहराइटी उहाँ बटैलै ।

फेरी रुकलपाछे सामान ढुवानीमे सास्ती

पहुरा समाचारदाता

बाजुरा, २४ असार । बाजुराके जगनाथ तथा स्वामीकार्तिकखापर पालिकाबिचमे कर्णाली लडियामे रहल फेरी रुकलपाछे स्थानीयहे दैनिक उपभोग्य सामान ढुवानीमे सास्ती हुइल बा ।

बाजुराके पूर्वीउत्तर क्षेत्रमे पर्ना कर्णाली लडियामे निर्माण करल फेरीसे स्थानीयहे दैनिक उपभोग्य सामग्री ढुवानी कैना सहज बनाइल रहे ।

असार पहिल अँठ्वारसे कर्णाली लडियामे पानीके बहाब बह्रलसँगे फेरी सञ्चालन फेन रोकल रहे । फेरीसे मनै किल नैहोके सवारीसाधनसमेत वारपार हुइ लागलपाछे पाछेक समय यहाँके स्थानीयहे आवतजावतमे सहज हुइल रहे ।

कर्णाली लडियामे राखल फेरीसे जगनाथसे जिप ट्याक्टरलगायतके सवारीसाधनहे वारपार कैना करल रहे । हिउँदभर चलल् फेरी रुकलपाछे स्वामीकार्तिक चल्ना सक्कु सवारीसाधन पिलीचौरमे रुक्ना करल बावै । स्थानीय दैनिक उपभोग्य सामग्री भरियामार्फत ढुवानी कैना करल बटै ।

स्वामीकार्तिक खापर गाउँपालिका–२ के बासिन्दा नरबहादुर लुहार कहलै, "हिउँदमे गाडीमे सिढे सामान बोकके घरमे पुग्ना करल रहि । अब्बे चार घण्टासमके भारी बोकके पैदल नेंगे परठ् । कर्णाली लडियामे पक्की पुल नैहोके हिउँदमे चल्ना सवारीसाधन उपार रुकठ् ।" पक्की पुल बनी कलेसे प्रत्येक गाउँबस्तीमे बाह्रै महिना गाडी चल्ना सहज हुइना जिपचालक शेरबहादुर कार्की बटैलै ।

स्वामीकार्तिक खापर गाउँपालिकाके अध्यक्ष भरतबहादुर रोकाया कहलै, "पालिकाके अधिकांश वडा सडक सञ्जालके पहुँचमे बावै । हिउँदके महिना सक्कु वडामे गाडी पुगट् । बर्खामे समय यहाँ चल्ना सक्कु गाडी पिलीचौरमे रुक्ना करठ् । कर्णाली लडियामे पुल नैहोके उ गाडी ओंहरे रुक्ना करल बावै ।

कर्णाली लडियामे पुल बनाइक लाग संघीय ओ प्रदेश सरकारसँग माग कैटी आइल बा ।

"गर्मीयाम संगे बर्खाबुन्डाके दिन सुरुवाट हुइल बा इ बेला साप गोजरके डर रहठ टबमारे अन्धारमे नेगेबेर सबधानी अप्नाइ ।"

छ बरसपाछे सडक कालोपत्रे हुइटी

पहुरा समाचारदाता

बाजुरा, २४ असार । बाजुराके सेराआटीचौर सडक अन्तर्गत पर्ना बल्देसे धुरासैन सडक छ बरसपाछे कालोपत्रे कैना सुरु हुइल बा । २०७९ चैत मसान्तसम काम पूरा कैना मेरके २०७७ साल असारमे जयदेवी एसएस निर्माण सेवा प्रालिसे बल्देसे धुरालसैनसमके करिब साढे पाँच किलोमिटर सडक कालोपत्रे कैना मेरके जिम्मा लेहल रहे ।

सडक कालोपत्रे कैना जिम्मा लेहल जयदेवी एसएस निर्माण सेवा प्रालिसे औरे कम्पनीहे काम करे डेहलपाछे सडक अलपत्र परटी गैल रहे । अब्बे उ कम्पनी अपनहे सडक कालोपत्रे कैना सुरु करले बा । सडक निर्माणके जिम्मा लेहल छ बरसपाछे किल सडक कालोपत्रे कैना सुरु करल बुढीगङ्गा नगरपालिका–२ के स्थानीय शिक्षकबहादुर थापा बटैलै ।

जयदेवी एसएस निर्माण सेवा प्रालिके प्रोप्राइटर दिक्पाल शाही कहलै, "पहिले औरे जनहनहे जिम्मा डेहल ओरसे समयमे काम पूरा करे सेकल नैरहे । अब्बे उ काम अपनहे करे लागल बटु । इ असार मसान्तभिटरे काम पूरा कैना मेरके कालोपत्रेके काम धमाधम हुइटी रहल बा ।"

सालमे सडक डिभिजन अछामसे सेरा आटीचौरसमके कच्ची सडकके निर्माण सम्पन्न करलपाछे छोटा दुरीके सवारीसाधन सञ्चालनमे आइल रहे । बल्दे–आटीचौर सडक बुढीगङ्गा नगरपालिका–२ के बल्देसे खप्तडछेडेदह गाउँपालिकाके आटीचौर डोगडी हुइटी बझाङ छुले बा ।

पहिले कच्ची सडकमे लगातार चल्टी रहना गाडी अब्बे ठाउँ ठाउँमे रुक्टी अइना करल बावै । डोगडीसे आटीचौरलगायतके स्थानीय इहे सडकसे दैनिक कामकाजके लाग साँफे–मार्तडीलगायतके टमान ठाउँमे आउजाउ कैना करठ् । लम्मा समयके निर्माणाधीन इ सडक हिउँद बर्खामे अवरुद्ध होके यहाँके व्यवसायीहे दैनिक उपभोग्य सामान ढुवानी कैना समस्या हुइना करल रहे ।

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services

सेवाहरू:
- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304
आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरु : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।
कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)
फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

डढेलो तथा लूबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।

- सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ,

डढेलोबाट जोगिन

- जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डढेलोविरुद्द समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं,
- डढेलो देखिएमा तत्काल सम्बन्धित निकायमा जानकारी गराऔं,

वन जोगाउ र वातावरण संरक्षणमा योगदान दिऔं ।

• गर्मी बढेसँगै तातो हावा (लू) सुरु भएको छ । अतिआवश्यक काम बाहेक घरबाट ननिस्कौं । निस्किने भए छाताको प्रयोग गरौं र बढी भोलिलो पदार्थ र पानीको प्रयोग गरौं ।

भजनी नगरपालिका
४ नम्बरको कार्यालय
खैलाड, कैलाली